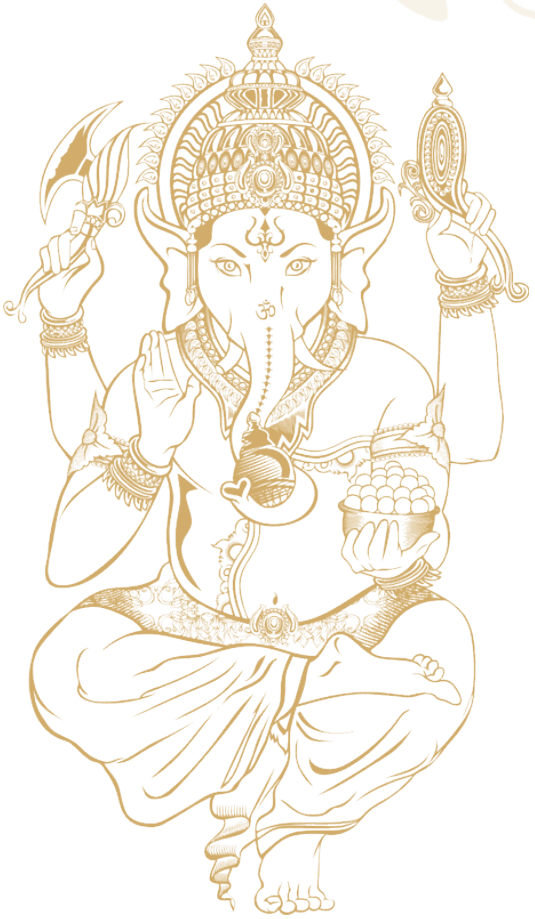

Satyam pathak

22 Aug 2003

05:25 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120961318

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/08/2003**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**05:25:00 घंटे**
इष्ट	58:49:28 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:03:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:17 घंटे
साम्पातिक काल	03:03:25 घंटे
सूर्योदय	05:53:12 घंटे
सूर्यास्त	18:55:01 घंटे
दिनमान	13:01:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:36:05 सिंह
लग्न के अंश	27:35:51 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:35:51	309:33:43	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			सिंह	04:36:05	00:57:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	26:04:03	12:02:48	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल	व		कुंभ	12:53:12	00:15:03	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध			कन्या	00:32:05	00:32:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु		अ	सिंह	04:55:07	00:13:05	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	05:29:36	01:14:17	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
शनि			मिथु	15:45:44	00:06:01	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	00:53:03	00:02:00	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	00:53:03	00:02:00	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	07:01:56	00:02:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:25:05	00:01:32	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:20:40	00:00:14	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मेष	24:24:33	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:15

लग्न-चलित

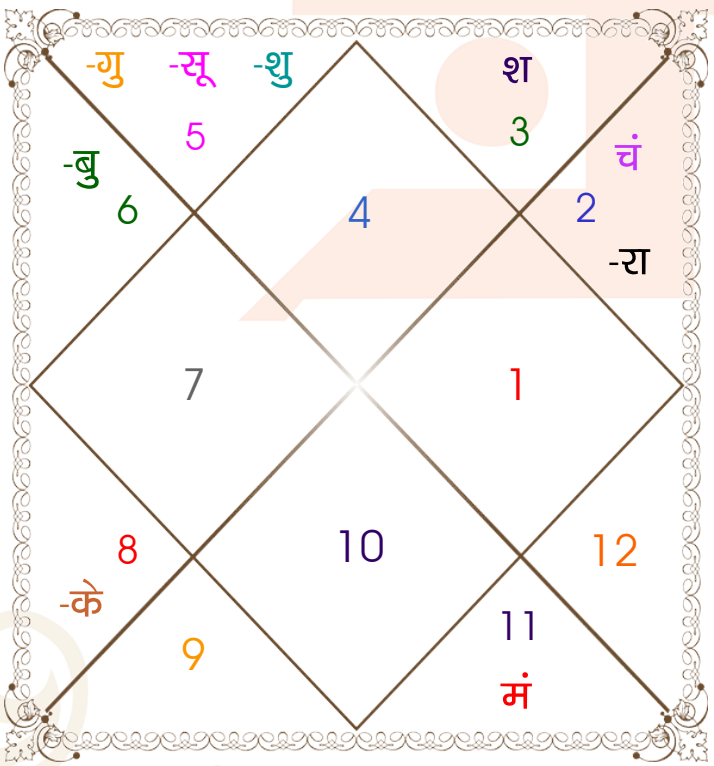

चन्द्र कुंडली

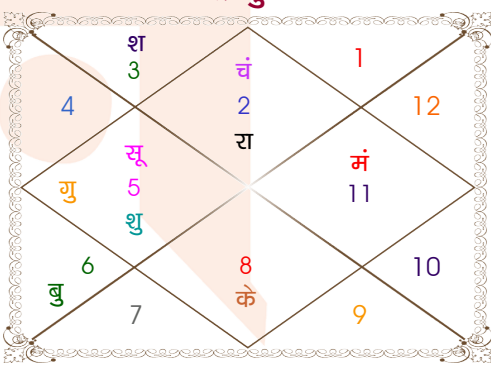

नवमांश कुंडली

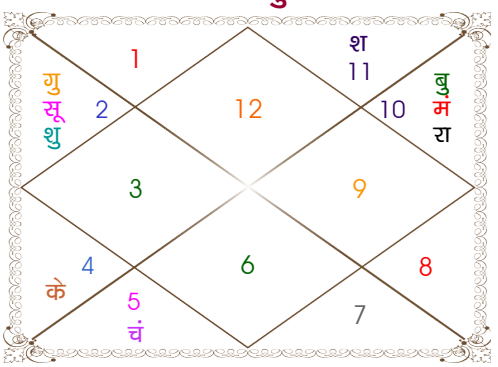

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 6 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/08/2003		15/03/2009		16/03/2027		16/03/2043		15/03/2062	
15/03/2009		16/03/2027		16/03/2043		15/03/2062		16/03/2079	
	22/08/2003	राहु	26/11/2011	गुरु	03/05/2029	शनि	18/03/2046	बुध	11/08/2064
राहु	30/08/2003	गुरु	21/04/2014	शनि	14/11/2031	बुध	26/11/2048	केतु	08/08/2065
गुरु	05/08/2004	शनि	25/02/2017	बुध	19/02/2034	केतु	04/01/2050	शुक्र	08/06/2068
शनि	14/09/2005	बुध	14/09/2019	केतु	26/01/2035	शुक्र	06/03/2053	सूर्य	15/04/2069
बुध	11/09/2006	केतु	02/10/2020	शुक्र	26/09/2037	सूर्य	16/02/2054	चंद्र	14/09/2070
केतु	07/02/2007	शुक्र	03/10/2023	सूर्य	15/07/2038	चंद्र	17/09/2055	मंगल	11/09/2071
शुक्र	08/04/2008	सूर्य	26/08/2024	चंद्र	14/11/2039	मंगल	26/10/2056	राहु	31/03/2074
सूर्य	14/08/2008	चंद्र	25/02/2026	मंगल	20/10/2040	राहु	02/09/2059	गुरु	06/07/2076
चंद्र	15/03/2009	मंगल	16/03/2027	राहु	16/03/2043	गुरु	15/03/2062	शनि	16/03/2079

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/03/2079		15/03/2086		16/03/2106		16/03/2112		16/03/2122	
15/03/2086		16/03/2106		16/03/2112		16/03/2122		00/00/0000	
केतु	12/08/2079	शुक्र	15/07/2089	सूर्य	04/07/2106	चंद्र	14/01/2113	मंगल	13/08/2122
शुक्र	11/10/2080	सूर्य	15/07/2090	चंद्र	03/01/2107	मंगल	15/08/2113	राहु	23/08/2123
सूर्य	16/02/2081	चंद्र	15/03/2092	मंगल	10/05/2107	राहु	14/02/2115		00/00/0000
चंद्र	17/09/2081	मंगल	15/05/2093	राहु	03/04/2108	गुरु	15/06/2116		00/00/0000
मंगल	13/02/2082	राहु	15/05/2096	गुरु	20/01/2109	शनि	15/01/2118		00/00/0000
राहु	04/03/2083	गुरु	14/01/2099	शनि	02/01/2110	बुध	16/06/2119		00/00/0000
गुरु	07/02/2084	शनि	16/03/2102	बुध	09/11/2110	केतु	15/01/2120		00/00/0000
शनि	18/03/2085	बुध	14/01/2105	केतु	17/03/2111	शुक्र	15/09/2121		00/00/0000
बुध	15/03/2086	केतु	16/03/2106	शुक्र	16/03/2112	सूर्य	16/03/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।